GAIN MORE KNOWLEDGE
REACH GREATER HEIGHTS

PRESIDENCY COLLEGE

(AUTONOMOUS)

AFFILIATED TO BENGALURU CITY UNIVERSITY, APPROVED BY AICTE, DELHI & RECOGNISED BY THE GOVT. OF KARNATAKA
RE-ACCREDITED BY NAAC WITH 'A+' GRADE

BRIEF REPORT ABOUT THE HINDI CONFERENCE

EVENT NAME : आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में प्रेसिडेंसी कॉलेज में हिंदी संगोष्ठी : "दक्षिण भारतीय विद्वान: हिंदी की समृध्दी"

TIME: 9:30AM to 5:00PM

DATE : 9th July 2022

PARTICIPANTS: Professors and Hindi officers from different Government offices.

Guest Of Honour:

1. **डॉ. बीना शर्मा**,निदेशक ,केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा
2. **डॉ.प्रतिभा मुदलियार**, सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष,हिंदी विभाग ,मैसूर विश्व विद्यालय
3. **श्रीमती रश्मी ठाकुर**, सहायक निदेशक (रा.भा.) इसरो मुख्यालय बेंगलूरू
4. **डॉ. गोपालकृष्णा एच. एल**.,उपप्रबंधक(रा.भा) भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड बेंगलूरू संकुल
5. **डॉ. परमान सिंह** जी क्षेत्रिय निदेशक, केंद्रिय हिंदी संस्थान मैसूर केंद्र

Report:

आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में प्रेसिडेंसी कॉलेज में हिंदी संगोष्ठी का आयोजन

प्रेसिडेंसी कॉलेज (स्वायत्त), बेंगलूरु एवं केंद्रीय हिंदी संस्थान मैसूर केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में प्रेसिडेंसी कॉलेज में ९ जुलाई २०२२ को हिंदी संगोष्ठी का आयोजन किया गया । डॉ.प्रतिभा मुदलियार , सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष,हिंदी विभाग ,मैसूर विश्व विद्यालय की अध्यक्षता में "दक्षिण भारतीय विद्वान: हिंदी की समृध्दी" विषय पर समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सुबह ९:३० बजे से शाम ५ बजे तक चला। प्रेसिडेंसी कॉलेज (स्वायत्त) की छात्रा व्दारा ईश वंदना की गई तथा दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम क शुभारंभ हुआ। छात्रों ने गीता, कुराण और बायबल के पदों को बोलकर उनका अर्थ स्पष्ट कर सर्व धर्म सदभावना का प्रदर्शन किया।

डॉ. गायत्री मिश्रा, मुख्य संयोजक ने स्वागत भाषण में सभी अतिथियों का परिचय पढा तथा सभी का स्वागत किया। ऑनलाईन व्दारा जुडी मुख्य अतिथि **डॉ. बीना शर्मा**,निदेशक ,केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा तथा अध्यक्ष **डॉ.प्रतिभा मुदलियार**, सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष,हिंदी विभाग ,मैसूर विश्व विद्यालय, विशिष्ट अतिथि **श्रीमती रश्मी ठाकुर**, सहायक निदेशक (रा.भा.) इसरो मुख्यालय बेंगलूरू एवं **डॉ. गोपालकृष्णा एच. एल**.,उपप्रबंधक(रा.भा) भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड बेंगलूरू संकुल, **डॉ. परमान सिंह** जी क्षेत्रिय निदेशक,

केंद्रिय हिंदी संस्थान मैसूर केंद्र और डॉ पुंडरिका विट्ठला, अनुसंधान समंन्वयक तथा परिक्षा नियंत्रक डॉ. ए एम नरहरी,प्रेसिडेंसी कॉलेज का शाल, स्मृति चिन्ह और हरित पोधा देकर स्वागत किया ।

ऑनलाईन व्दारा जुडी मुख्य अतिथि **डॉ. बीना शर्मा**,निदेशक ,केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा ने सभी को अभिवादन किया। उन्होने कहा कि भारत एक बहु भाषी देश है, भारत की सभी भाषाएं अपनी अपनी अस्मिता को बनाए रखने की दिशा में अग्रसर है। भारतीय भाषाएं व्यावहारिक,व्यावसायिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक पक्शों को उजागर रखने मेम सशक्त साबित हुई है।

अपने अध्यक्षीय भाषण में **डॉ.प्रतिभा मुदलियार**, सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष,हिंदी विभाग ,मैसूर विश्व विद्यालय, ने सभी मंचासीन गणमान्यों को नमस्कार करते हुए कहा कि हिंदी न केवल भारत में बल्कि विदेश में भी लोकप्रिय हो रही है। उत्तर भारत से अधिक हिंदी का कार्य दक्षिण भारत में हो रहा है। दक्षिण भारत में हिंदी के विकास हेतु दक्षिण भारतीय विद्वान के योगदान की जानकारी दी। उन्होंने राष्ट्रीय नई शिक्षा नीति के बारे में भी सभी का ज्ञानार्जन किया ।

श्रीमती रश्मी ठाकुर, सहायक निदेशक (रा.भा.) इसरो मुख्यालय बेंगलूरू ने अपने भाषण में कहा कि दक्षिण भारत के लोगो नें हिंदी अध्ययन-अध्यापन के क्षेत्र में ही नही साहित्य सृजन के क्षेत्र में भी अपनी दक्षता का परिचय दिया है। दो भाषाओं (राजभाषा और मातृभाषा) में अपनी निपुणता के फलस्वरूप भारत की भावात्मक एकता के सूत्राधार बनते आ रहे है। उन्होने छात्रों से हिंदी पढने पर नौकरी की व्यापक संभावनाओं के बारेमे बताया ।

डॉ. गोपालकृष्णा एच. एल.,उपप्रबंधक(रा.भा) भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड बेंगलूरू संकुल ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रभाषा का, राष्ट्र का प्रेम, राष्ट्र के अंतर्गत भिन्न-भिन्न लोगो का प्रेम इसमें कुछ फर्क नही है। जो राष्ट्रप्रेमी है उसे राष्ट्रभाषा प्रेमी होना ही चाहिए नही तो राष्ट्रप्रेम अधूरा रह जाएगा। हिंदी भाषी व्यक्ति के लिए किसी अन्य भाषा विशेषतः कन्नड, तमिल, तेलगु, मलयालम में से किसी एक को सीखना आवश्यक है।

राष्ट्रीय संगोष्ठी **"दक्षिण भारतीय विद्वान: हिंदी की समृध्दी"** का संचलन चार सत्रों में किया गया जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों एवं संस्थानों से आए प्रतिभागियों ने अपने- अपने विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किए। संगोष्ठी में ४० प्रपत्रों का वाचन किया गया। इसके पश्चात समापन समारोह का आयोजन किया गया। डॉ.इंदिरा, अध्यापिका,प्रेसिडेंसी कॉलेज (स्वायत्त), बेंगलूरु ने रिपोर्ट का वाचन किया । **डॉ. परमान सिंह** जी क्षेत्रिय निदेशक, केंद्रिय हिंदी संस्थान मैसूर केंद्र ने अपने भाषण में कहा कि भारत की स्वातंत्रता तथा संविधान में हिंदी को राजभाषा के रुप में स्वीकृति के फलस्वरुप दक्षिण में हिंदी की स्थिति में जो प्रगति हुई, जिसमें हिंदी प्रचार सभाओं, केंद्रिय हिंदी संस्थान , विश्वविद्यलयों की विशिष्ट भूमिका रही है।स्वतंत्रता पूर्व दक्षिण भारत के हिंदी प्रचार आंदोलन में कर्नाटक का योगदन भी महत्वपूर्ण है। कुछ प्रतिभागियों ने कार्यक्रम संबंधी अपनी प्रतिक्रियाएँ व्यक्त की । डॉ. ललिता अध्यापिका,प्रेसिडेंसी कॉलेज (स्वायत्त), बेंगलूरु ने उद्घाटन तथा समापन समारोह में धन्यवाद ज्ञापन किया। प्रेसिडेंसी कॉलेज (स्वायत्त), बेंगलूरु के छात्र थारा रयान और शिखेर सिंग ने सुचारू रूप से कार्यक्रम का संचालन किया।

समापन समारोह के उपरांत प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

****

प्रेसिडेंसी कॉलेज (स्वायत्त), बेंगलुरु
एवं
केंद्रीय हिंदी संस्थान, मैसूर केंद्र
GPS Map Camera
Bengaluru, Karnataka, India
33 2B, Kempapura Main Rd, Pampa Extension, Hebbal Kempapura, Bengaluru, Karnataka 560024, India
Lat 13.050318°
Long 77.598316°
09/07/22 04:08 PM
resider
Google